प्रश्न पत्र – MJY-C104 ✓ अर्जिताधिमार ~~06~~ 05

एम.ए. प्रथम–सत्र

यज्ञविधान 70+30=100 पूर्णांक

YAGYA VIDHANA

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा।

6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड–1 कर्मकाण्डविषयक अधिकार, यज्ञीय देश एवं कालवेद
घटक–1 (क) चातुर्वर्ण्य के कर्मकाण्ड विषयक अधिकार की समीक्षा घटक 1 (ख) आश्रमियों के कर्मकाण्ड विषयक अधिकार की समीक्षा घटक 1 (ग) स्त्री के कर्मकाण्ड विषयक अधिकार की समीक्षा
घटक–2 यज्ञीय स्थान की विवेचना
घटक–3 (क) यज्ञीय काल की विवेचना घटक 3 (ख) यज्ञीय काल के सन्दर्भ में ऋतु का महत्व घटक 3 (ग) यज्ञीय काल के सन्दर्भ में नक्षत्र का महत्व
खण्ड–2 पंचभू संस्कार एवं याज्ञिक उपकरण
घटक–1 (क) पंचभ संस्कार की विधि घटक 1 (ख) पंचभ संस्कार का प्रयोजन
घटक–2 याज्ञिक उपकरणों का परिचय एवं प्रयोजन
खण्ड–3 हविर्द्रव्य एवं यज्ञों में मन्त्रविनियोग
घटक–1 (क) हविर्द्रव्य का विवेचन घटक 1 (ख) ऋतु के अनुसार हविर्द्रव्य का विवेचन
घटक–2 यागविशेष के आधार पर हविर्द्रव्यों का विवेचन
घटक 2 (क) यज्ञों में मन्त्रविनियोग का विवेचन
खण्ड–4 पुरुषसूक्त (ऋग् 10/90/1–10) एवं यजुर्वेदीय 160 अध्याय मन्त्र 1–10
घटक–1 (क) पुरुषसूक्त (मन्त्र 1–10) के देवता, ऋषि एवं छन्द का ज्ञान घटक 1 (ख) पुरुषसूक्त (मन्त्र 1–10) के मन्त्रों की व्याख्या घटक 1 (ग) पुरुषसूक्त (मन्त्र 1–10 का कण्ठस्थीकरण)
घटक–2 (क) यजुर्वेदीय 160 अध्याय (मन्त्र 1–10) के देवता, ऋषि एवं छन्द का ज्ञान घटक 2 (ख) यजुर्वेदीय (मन्त्र 1–10) के मन्त्रों की व्याख्या घटक 2 (ग) यजुर्वेदीय (मन्त्र 1–10 का कण्ठस्थीकरण)
खण्ड–5 अग्निसूक्त (ऋग् 1/1) एवं शिवसंकल्प मन्त्र (यजु0 34/1–6)
घटक–1 (क) अग्निसूक्त (मन्त्र 1–10) के देवता, ऋषि एवं छन्द का ज्ञान घटक 1 (ख) अग्निसूक्त (मन्त्र 1–10) के मन्त्रों की व्याख्या घटक 1 (ग) अग्निसूक्त (मन्त्र 1–10 का कण्ठस्थीकरण)
घटक–2 (क) शिवसंकल्प मन्त्र (यजु0 34/1–6 के देवता, ऋषि एवं छन्द का ज्ञान) घटक 2 (ख) शिवसंकल्प मन्त्र (यजु0 34/1–6 के मन्त्रों की व्याख्या

सन्दर्भग्रन्थ :

1. यज्ञ विमर्श – डॉ. रामप्रकाश
2. अग्निहोत्र सर्वस्व – स्वामी दीक्षानन्द सरस्वती, प्रकाशक–समर्पण शोध संस्थान, 4/42, सेक्टर 5, राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद, गाजियाबाद 201005
3. याज्ञिक आचार संहिता– पं0 वीरसेन वेदश्रमी, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई दिल्ली 110006
4. संस्कारविधि – स्वामी दयानन्द सरस्वती, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई दिल्ली 110006
5. याज्ञिक आचार संहिता – पं0 वीरसेन वेदश्रमी, विजयकुमार गोविन्दराम हासानन्द, 4408, नई दिल्ली 110006
6. वैदिक यज्ञदर्शन – आचार्य वैद्यनाथ शास्त्री, सैनी प्रिन्टर्स, पहाड़ी धीरज, दिल्ली–6